● bordernewsmirror@gmail.com
● पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
● द्विभाषिक समाचार पत्र

02 राज्य सरकार श्वेत पत्र जारी कर बताए कि 17 माह में कितने लोगों को मिली नौकरी

04 अयोध्या से पूजित अक्षत निमंत्रण के रूप में सभी मकानो व दूकानों में हुआ वितरण

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, सोमवार, 15 जनवरी 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 04, अंक: 330

महाराष्ट्र कांग्रेस को बड़ा झटका, मिलिंद देवड़ा ने दिया इस्तीफा, शिंदे गुट में होंगे शामिल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता मिलिंद देवड़ा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। खबर है कि मिलिंद देवड़ा आज ही एकनाथ शिंदे कैंप में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, देवड़ा दोपहर 2 बजे मुख्यमंत्री के वर्षा बंगले में पहुंचकर सीएम शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की सदस्यता ग्रहण करेंगे। देवड़ा ने रविवार सुबह खुद इसकी जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा, 'आज मेरी राजनीतिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन हुआ। कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से मैंने अपना त्यागपत्र दे दिया है।

भाजपा की राजनीति का प्रतीक बना मणिपुर

मणिपुर के मूल्यों की पुनः स्थापना के लिए 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरु कर रहे राहुल

थोबल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कड़ा हमला करते हुए रविवार को कहा कि मणिपुर की हिंसा ने यहां के लोगों के मूल्यों को नुकसान पहुंचाया है और यह घटनाएं भाजपा-आरएसएस की नफरत की राजनीति का प्रतीक बन गई है,इसलिए मणिपुर के मूल्यों को फिर स्थापित करने के लिए वह इस राज्य से 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' शुरु कर रहे हैं।

श्री गांधी ने आज इंफाल से करीब 50 किलोमीटर दूर शहीद स्मारक खोंगजोंग से दक्षिण से उत्तर को हुई भारत जोड़ो यात्रा के अगली चरण के रूप में पूरब से पश्चिम के

लिए भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत के मौके पर यहां विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मणिपुर की घटनाओं ने यहां के मूल्यों को नष्ट किया है और यहां हुई हिंसा के कारण कई घर तबाह हुए हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों के आंसू पहुंचने के लिए एक बार भी मणिपुर नहीं आए।

उन्होंने कहा कि मणिपुर के जो हालात बने हैं वह भाजपा -आरएसएस की राजनीति की नफरत का प्रतीक है। मणिपुर के हालात भाजपा के दृष्टिकोण और विचारधारा का प्रतीक है। भाजपा ने 10 साल में देश की जनता के साथ अन्याय किया है इसलिए वह मणिपुर से न्याय यात्रा शुरु कर रहे हैं।

श्री गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "आप लोगों ने उन मूल्यों को खो दिया है जिसे आपने महत्व दिया लेकिन जिसे आपने महत्व दिया हम उसे एक बार फिर खोजेंगे और ढूंढकर इसे आपके पास वापस लाएंगे। हम यहां के लोगों के दर्द को समझते हैं।

दिल्ली, एनसीआर में शीत लहर की स्थिति जारी

बीएनएम@नई दिल्ली

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के घने कोहरे की चपेट में रहने से रविवार को हवाई और रेल यातायात प्रभावित रहा।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली और एनसीआर में अगले चार दिनों (18 जनवरी) तक कोहरा छाया रहने का अनुमान है। रविवार को राजधानी का न्यूनतम तापमान गिरकर 3.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। लोधी रोड इलाके में पारा और भी नीचे गिरकर 3.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सामान्य से 4 डिग्री कम है। पालम में न्यूनतम तापमान क्रमशः 5.9, आयानगर में 4.0 और रिज में 4.4 दर्ज किया गया। एनसीआर क्षेत्र के

अधिकांश हिस्सों में कोहरे की घनी चादर छाई रही, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। भारतीय रेलवे के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आने वाली लगभग 22 ट्रेनें देरी से चल रही हैं और घने कोहरे के कारण दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर कई उड़ान संचालन भी प्रभावित हुए हैं। इस बीच, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी घना कोहरा छाया रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया। राजधानी में 18 जनवरी तक, घने कोहरे के साथ शीत लहर की स्थिति जारी रहने के आसार हैं। अगले 24 घंटों के दौरान, उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव के आसार नहीं है, जिसके बाद अगले तीन दिनों तक तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है।

राजमार्ग पर डिवाइडर से टकराई कार, 6 लोगों की दर्दनाक मौत

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 पर आज मकर संक्रांति पर भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा देखकर लोगों की सांसे अटक गई। यहां एक कार डिवाइडर से उछलकर सामने से आ रही दूसरी कार पर जा गिरी। हादसे में पांच लोगों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई. एक घायल ने बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस इस हादसे में 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।आलाधिकारी और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। हादसे के कारण राजमार्ग पर जाम लग गया। यह हादसा एनएच 52 पर लक्ष्मणगढ़ इलाके में शाम करीब साढ़े पांच

बजे हुआ। यहां एक कार अचानक डिवाइडर से उछलकर दूसरी तरफ से गुजर रही कार पर जा गिरी। इससे दोनों कारें एक दूसरे के ऊपर नीचे हो गई। हादसे में कारों में सवार पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कार किस वजह से उछलकर डिवाइडर के दूसरे तरफ गई इसके कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

त्योहार | तमिलनाडु के हर घर में इस उत्सव का उत्साह देखने को मिलता है

पोंगल 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की राष्ट्रीय भावना को प्रतिबिंबित करता: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 14 जनवरी को दिल्ली में पोंगल का त्यौहार मनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय राज्य मंत्री और राज्यसभा सांसद एल मुरुगन के घर पोंगल का त्यौहार मनाने पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को पोंगल की शुभकामनाएं भी दी है। इसके अलावा पोंगल उत्सव में हिस्सा लेने के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बच्ची की परफॉर्मेंस अच्छी और उसे सम्मानित भी किया। इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

दरअसल पोंगल उत्सव के दौरान बच्ची एक गाना गा रही थी।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधन करते हुए देशवासियों को पोंगल की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा तमिलनाडु के हर घर में इस उत्सव का उत्साह देखने को मिलता है। उन्होंने कहा मैं देशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और संतोष की धारा की निरंतर प्रवाह की कामना करता हूं।

इस दौरान उन्होंने महान संत तिरुवल्लुवर को भी याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षित नागरिकों, ईमानदार व्यापारियों और अन्नदाता किसानों की अहम भूमिका है। पोंगल के त्यौहार में ताजा फसल भगवान को अर्पित की जाती है जिसमें किसानों को केंद्र में रखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पोंगल 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की राष्ट्रीय भावना को प्रतिबिंबित करता है और यही भावनात्मक जुड़ाव काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगम में भी देखने को मिला। प्रधानमंत्री ने 'कोलम' (रंगोली) के साथ भारत की विविधता की समानता बताते हुए कहा कि जब देश का हर कोना एक-दूसरे के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ता है, तो देश की ताकत एक नए रूप में दिखाई देती है।

नड्डा, राजनाथ, शाह को मिला राम मंदिर का न्यौता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 22 जनवरी को श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया गया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार एवं मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने तीनों नेताओं को निमंत्रण पत्र सौंपे। विहिप के प्रवक्ता विनोद बंसल ने यहां बताया कि श्री नड्डा ने निमंत्रण स्वीकार किया और कहा कि वह कार्यक्रम में आएंगे।

श्री शाह और श्री सिंह ने मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर अत्यंत हर्ष व्यक्त किया तथा कहा कि वे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र से चर्चा करके आने और दर्शन करने की तिथि शीघ्र तय करेंगे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

फतेह बहादुर के विवादित बोल पर भड़के तेज प्रताप बोले- 'हम सांस ले रहे हैं तो ये भगवान की दया'

पटना। धर्म के खिलाफ बयानबाजियों पर तेज प्रताप अपनी चुप्पी तोड़ी पार्टी के विधायक फतेह बहादुर सिंह की धर्म के खिलाफ बयानबाजियों पर मंत्री तेज प्रताप भड़क गए। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि किसी भी इंसान को किसी के धर्म को लेकर कोई बात नहीं बोलना चाहिए। जो भी धर्म को लेकर बयानबाजी कर रहा है वो गलत है। हमें सभी धर्मों का आदर करना चाहिए। उन्होंने आगे और भी सख्त और आध्यात्मिक लहजे में फतेह बहादुर सिंह के बयानों पर तंज भी कसा।

तेज प्रताप यादव ने कहा कि 'अगर हम सांस ले रहे हैं, चल फिर रहे हैं तो ये कहीं न कहीं उस भगवान की दया है। यह बात हमें जरूर मानना और जानना चाहिए।' मंत्री तेज प्रताप यादव ने ये सब बातें धर्मनिरपेक्ष सेवक संघ यानी DSS की स्थापना दिवस पर कहीं। इस अवसर पर उन्होंने केक काटा। उन्होंने कहा कि उनका जो ये संगठन है वह पूरी तरीके से हिंदू मुस्लिम सिख इसाई हम सब हैं भाई भाई वाले फॉर्मूले पर काम करता है। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने कहा कि देश को कुछ लोग अंधकार में लेकर जाना चाह रहे हैं। पूरी देश दुनिया में इंसान धर्म फैलाना है. हम किसी जाति बिरादरी के नहीं है, हम सभी धर्म के हैं। उनसे पूछा गया कि कांग्रेस के लोग राम प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जा रहे हैं, इस पर उन्होंने कहा कि "जब इतना साधु संत नहीं जा रहे हैं। साधु संत के ऊपर अत्याचार हुआ है तो वह क्यों नहीं गए।"

बता दें कि आरजेडी के नेता धर्म को लेकर विवादित टिप्पणी करते आ रहे हैं। सबसे ज्यादा विवादित बयान फतेह बहादुर सिंह और शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर सिंह की ओर से आ रहा है। इसको लेकर पटना में शिकायत भी दर्ज हुई है। फतेह बहादुर सिंह अक्सर देवी दुर्गा, ब्रह्मा और मां सरस्वती को लेकर विवादित बयान देते रहे हैं। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भी हाल ही में तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि जो लोग पत्तथर में प्राण डालते हैं उनके नाम सार्वजनिक होने चाहिए।

राज्य सरकार श्वेत पत्र जारी कर बताए कि 17 माह में कितने लोगों को मिली नौकरी

पटना। राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने सबसे ज्यादा नौकरियां देने और इतिहास रचने के बिहार सरकार के दावे को चुनौती दी है। उन्होंने रविवार को बयान जारी कर इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से श्वेत पत्र जारी कर बताने का कहा है कि 17 महीने में किस विभाग में कितने लोगों को नई नौकरी मिली।

उन्होंने कहा कि सरकार 2.17 लाख शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देने का दावा करती है जबकि अधिकतम एक लाख नए शिक्षकों की बहाली हुई। इनमें 50 हजार शिक्षक बाहरी हैं और 50 हजार ऐसे हैं जो पहले से नियुक्त थे लेकिन दोबारा नियुक्ति पत्र दिया गया। मोदी ने कहा कि बिहार की भाजपा-जदयू गठबंधन सरकार के समय सबसे ज्यादा 3.5 लाख शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी लेकिन तब हमने न कोई बड़बोला दावा किया, न सामूहिक फोटो सेशन कराया था।

उन्होंने कहा कि सरकार कैबिनेट की पहली बैठक में 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने वाली थी, उसके 17 महीने बाद 3.6 लाख नौकरी और 5 लाख रोजगार देने का दावा भी फर्जी है। इस पर सरकार को पूरा ब्यौरा जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2023 में जब सिपाही भर्ती परीक्षा हुई थी तब सैकड़ों केंद्रों पर पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई थी। अब तक पता नहीं है कि दोबारा नियुक्ति परीक्षा कब होगी। सरकार सिपाही भर्ती परीक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में डेढ़ साल से 1.5 लाख नौकरी देने का प्रचार किया जा रहा है लेकिन अब तक इसका पता नहीं है। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को एनडीए सरकार के समय भी नौकरियां दी गईं लेकिन प्रचार ऐसे किया जा रहा है जैसे यह सब पहली बार होगा। सरकार नौकरियां और रोजगार देने में विफलता पर पर्दा डालने के लिए झूठे दावे कर रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज ने की मंदिर की सफाई

कांग्रेस नेता नेहरू मॉडल को फॉलो करते हैं: ऋतुराज सिन्हा

बीएनएम@पटना

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त प्रधानमंत्री के आह्वान पर स्वच्छ तीर्थ अभियान के तहत भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा ने रविवार को मंदिर में स्वच्छता अभियान की शुरूआत की। ऋतुराज सिन्हा सुबह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पाटलिपुत्र कुर्जी के महामृत्युंजय परमेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे और सबसे पहले उन्होंने मां से आशीर्वाद लिया। इसके बाद हाथ में झाड़ु लेकर सफाई की। उनके साथ काफी संख्या में कार्यकर्ता थे।

सफाई अभियान के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा कांग्रेस के द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को ठुकराने पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कांग्रेसी नेता गलत एग्जांपल को फॉलो कर रहे हैं। 1960 में जब सोमनाथ के मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ तो नेहरू को बुलाया गया। नेहरू ने सोमनाथ मंदिर जाने से मना कर दिया और राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को भी कार्यक्रम में शामिल ना होने को कहा लेकिन राजेंद्र बाबू मंदिर के उद्घाटन में शामिल हुए। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस नेता नेहरू मॉडल को क्यों फॉलो करते हैं। कांग्रेस में ही सरदार पटेल थे कांग्रेस में ही डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद थे उनके उदाहरण क्यों नहीं फॉलो करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पीएम की अपील पर शुरु की मंदिर की साफ-सफाई

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र की ओर से अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देश के सभी मंदिरों और उसके आसपास सफाई अभियान चलाने के आग्रह के बाद बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने रविवार को मंदिर में सफाई की। 14 जनवरी से लेकर 21 जनवरी तक देश के सभी मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत प्रदेश अध्यक्ष ने की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने खाजपुरा स्थित शिव मंदिर की साफ-सफाई किया। उन्होंने हाथों में झाड़ु लेकर मंदिर को साफ किया। इसके बाद वाइपर की सहायता से मंदिर परिसर को पानी से धोया। मौके पर उन्होंने सभी को इस अभियान से जुड़ने का आवाह्न किया।

मौके पर पत्रकारों के पूछे सवाल का जवाब देते हुए सम्राट चौधरी ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी को न्याय यात्रा की जगह माफी यात्रा निकालनी चाहिए। राहुल गांधी के दादा जी, दादी जी और पिता जी ने 50 साल तक देश में शासन किया मगर देश का विकास नहीं हुआ।

पूर्व पार्षद मनोज ठाकुर को दुकान में घुसकर मारी गोली, गंभीर हालत में पूर्णिया रेफर

अररिया। फारबिसगंज के हॉस्पिटल रोड से काली मेला रोड जाने वाली सड़क के किनारे स्थित पूर्व पार्षद मनोज ठाकुर को उनके सैलून में घुसकर बदमाशों ने तीन गोली मार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया है।

पूर्व पार्षद मनोज ठाकुर को तीन गोली लगी है। बदमाशों ने मनोज ठाकुर को रविवार की सुबह उस समय गोली मारी जब वह अपना सैलून का दुकान खोलकर दुकान की साफ सफाई का काम कर रहा थे। जमीन खरीद बिक्री के विवाद में उनके साथी के द्वारा ही गोली मारने की बात सामने आ रही है। गंभीर हालत में पूर्व पार्षद को स्थानीय लोगों ने आनन फानन में सबसे पहले फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे।

सुबह-सुबह गोलीबारी की सूचना पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे और पूर्व पार्षद के साथ हुई घटना पर रोष प्रकट किया। मनोज ठाकुर फारबिसगंज के वार्ड संख्या सात के निवासी हैं और उन्होंने संजय चौधरी नामक युवक पर दुकान में घुसकर गोली मारने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना के बाद बड़ी संख्या में फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल लोग पहुंचे। जहां से प्राथमिक इलाज के बाद घायल पूर्व पार्षद को पूर्णिया रेफर कर दिया गया। चिकित्सक के अनुसार पूर्व पार्षद के पेट में दो गोली और एक गोली कनपटी में लगी है। घटना की सूचना के बाद फारबिसगंज थानाध्यक्ष आफताब अहमद अन्य पुलिस अधिकारी और बलों के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की तफ्तीश में जुट गए हैं।।

जीतन राम मांझी ने बिहार में सत्ता परिवर्तन के दिए संकेत

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, जिससे साफ जाहिर होता है कि नीतीश कुमार और भाजपा के बीच अंदरूनी तौर पर कुछ बातें चल रही हैं और जदयू के फिर से एनडीए के साथ आने की संभावना दिख रही है। मांझी ने सोशल मीडिया पर राजद और कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए एक पोस्ट लिखा है। पोस्ट में उन्होंने लिखा है, 'राज्य में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट से कुछ अधिकारियों से ज्यादा राजद-जदयू-कांग्रेस के कार्यकर्ता परेशान हैं। राजद के लोग इस सोच में परेशान है कि फ्लैक्स में नीतीश का फोटो दें कि ना? वैसे जो भी परिवर्तन होगा वह राज्यहित में होगा।' मांझी के इस पोस्ट से बिहार में सियासी बदलाव के कयास लगाये जाने लगे हैं कि भाजपा और सीएम नीतीश अंदरखाने किसी सियासी खिचड़ी को पकाने में लगे हैं।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

नरेंद्र मोदी का फिर चंपारण यात्रा: विगनी मलाहीन का टूटा सब्र

बुदबुदाई “तेरी मजबूरियाँ दुरुस्त, मगर तूने वादा किया था याद तो कर

सागर सूरज

मोतिहारी। चंपारण मे जनवरी महीने मे ही प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आने की सूचना है। 2015 मे परिवर्तन यात्रा और फिर 2018 मे चंपारण सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक समारोह मे भाग लेने नरेंद्र मोदी मोतिहारी आए थे। फिर से प्रधानमंत्री के आने की सूचना के साथ ही बिगनी मलाहीन के अंदर सुसुप्त अवस्था को प्राप्त राजनीति पुनः करवटें लेने लगी है।

बिगनी के हजारों सवाल परंतु सभी अनुतरित है। बिगनी को प्रधानमंत्री के उस वादे पर कोई सवाल नहीं करनी है, जिसमे सत्याग्रह समारोह के वक्त अपने भाषण के दरमियान दुबारा चंपारण आकर मोतिहारी चीनी मिल की चाय पीने की बात कही थी। ‘तेरे वादों पे कहाँ तक मिरा दिल फ़रेब खाए, कोई ऐसा कर बहाना मिरी आस टूट जाए।

यानि प्रधानमंत्री ने खुले मंच से मोतिहारी की बंद चीनी मिल को फिर से चालू करने की ओर इशारा दिया था। बिगनी को नरेंद्र मोदी से कोई शिकायत नहीं है बल्कि बार बार नरेंद्र मोदी के नाम पर जीतने वाले इस इलाके के भाजपा सांसदों से सवाल है। नरेंद्र मोदी प्रधान मंत्री है। खुद आकर चीनी मिल को चालू नहीं करवा सकते थे, इसके लिए स्थानीय सांसद राधा मोहन सिंह को प्रयास करनी थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

ग्राउंड रिपोर्ट

किसानों के उन्नति और उनकी आमदनी को दोगुना करने की बार बार दुहाई देने वाले भाजपा सांसद ने मोतिहारी स्थित हनुमान शुगर फैक्ट्री को चालू नहीं करवा सके। इस जिले मे ईख अकेला नकद फसल थी, जिससे किसान अपने सालों भर का काम चलाते थे। भाजपा नेता से जब इसके मुत्तलिक सवाल पूछा जाता है तो निजी फैक्ट्री की बात कहते हुए कहते है कोई उद्योगपति अपना उद्योग नहीं चलना चाहता है तो वे क्या कर सकते है।

आदतन तुमने कर दिये वादे, आदतन हमने एतबार किया

बिगनी कहती है जैसे सरकार उपने प्रतिष्ठानों को जमीन अधिग्रहण कर स्थापित करती है, वैसे ही किया जा सकता था, लेकिन उसके लिए इच्छा शक्ति चाहिय थी जो इन नेताओं मे नहीं है।

सांसद महोदय के प्रयास से पिपरा कोठी में जरूर कुछ संस्थाने स्थापित हुई, परंतु सभी हाथी के दांत की तरह ही है। अपने पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण इस जिले के भाजपा के बड़े नेताओं के साथ-साथ कई पुराने कार्यकर्ता भी सांसद महोदय से नाराज चल रहे है। निजी एजेंसियों ने अपने सर्वे रिपोर्ट में भी मोतिहारी सांसद के विरोध की बाते अपने रिपोर्ट मे कही है।

नमों एप से भी लोकसभा 2024 चुनाव के प्रत्याशियों की सर्वे कार्य चल रही है। सांसद महोदय ने तो बजापते एक मीटिंग मे संभावित सांसद प्रत्याशी कॉलम मे खुद के नाम को सबसे पहले डालने का निवेदन कर चुके है। जिला भाजपा आईटी सेल से जुड़े लोग भी तीन प्रत्याशियों के नाम में सबसे ऊपर वर्तमान सांसद का ही लिख रहे है। इसी बीच भाजपा नेत्री सह चिकित्सक डॉ हेना चंद्रा ने लाइव आकर आम लोगों से नामों एप्प के सर्वे मे भाग लेने की अपील क्या कर दी हंगामा मच गया। स्पैज़म कौल से परेशान महिला नेत्री और उनके पति डॉ चन्द्र सुभाष ने सांसद से समानांतर कार्यक्रमों का आयोजन करना शुरू कर दिया है। हालांकि चिकित्सक कपल ने सांसद से समानांतर किसी कार्यक्रम और जिला भाजपा में किसी तरह की फुट से इंकार किया है, परंतु आगामी 16 जनवरी को हो रहे आरएसएस का दही चूड़ा कार्यक्रम और 22 जनवरी को अयोध्या मे श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दिन मोतिहारी मे भी एक भव्य कार्यक्रम का आगाज चिकित्सक दंपति कर चुके है। दोनों ही कार्यक्रम से सांसद खेमे मे खासे नाराजगी है, क्योंकि जिले मे सांसद महोदय के मर्जी के विरुद्ध भाजपा का कोई नेता या कार्यकर्ता कुछ नहीं ही कर सकता था। खबर है कि सांसद महोदय द्वारा अपने कैबिनेट के एक व्यक्ति को इस बात के लिए खूब डांट लगाई कि चिकित्सक दंपति को 22 के कार्यक्रम के लिए वेणु कैसे मिल गया।

पूर्व में भी चिकित्सक डॉ हेना चंद्रा ने सांसद के नादिर शाही पैगाम से इतर जा कर नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन करवाया था। तब वह कार्यक्रम सांसद महोदय के मर्जी के विरुद्ध था। बिगनी ने कहा कि जिले के वरीय भाजपा नेता अखिलेश सिंह भी कई कार्यक्रम सांसद के मर्जी के विरुद्ध कर चुके है और बड़ी संख्या में भीड़ को भी जुटाने मे सफल रहे है।

इधर भाजपा के पूर्व एमएलसी बाबलू गुप्ता बेतिया सांसद संजय जायसवाल के गुट मे शामिल हो कर भाजपा की सेवा में लग गए है। ढाका भाजपा विधायक पवन जायसवाल ने तो मोतिहारी मे कैंप करके नगर निगम चुनाव मे सांसद महोदय के महापौर पद के प्रत्याशी को हराकर “चुमावन” कर दी थी। सांसद पर भी आरोप था कि वे विधायक की पत्नी का जिला परिषद अध्यक्ष चुनाव में खुल कर विरोध किये थे।

ऐसे मे सभी नेताओं का अपना –अपना चुमावन है, जिसे वे समय आने पर भीतरघात कर सांसद महोदय को सबक सिखा सकते है। खास बात ये है कि ये सभी नेता भाजपा के भक्त है परंतु सांसद विरोधी है। बिगनी कहती है सबके अपने -अपने कारण है, जो मोदी के नाम पर वोट ले रहे सांसद महोदय के कथित तानाशाही, मनमाने और और नादिरशाही पैगाम के विरुद्ध हैं। बिगनी आम आदमी प्रतीकात्मक प्रतीकात्मक चेहरा है, जो बीड़ी खत्म करते ही बुदबुदाई ....इन से उम्मीद ना रख अय सियासत वालों ये किसी से भी मुहब्बतनहीं करते।

भाजपा उत्तरी मंडल की शक्ति केंद्र की हुई बैठक

तुरकौलिया। भाजपा उत्तरी मंडल की शक्ति केंद्र की एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता शक्ति केंद्र प्रमुख रघुवंश नारायण सिंह व संचालन महामंत्री दीपक गुप्ता ने की। जिसमें 14 बूथ अध्यक्ष, 2 बीएलए के अलावे भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुए ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि सभी बूथों पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाना है और नमो ऐप भी लोड करना है। श्री शर्मा ने यह भी कहा कि हर रविवार को पीएम की मन की बात लोगों को सुनना है। वही 14 से लेकर 22 जनवरी तक बूथ के अंदर पड़ने वाले मठ मंदिर और धार्मिक स्थल को सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर साफ-सफाई भी करना है। बैठक में बब्लू गुप्ता, छोटू सहनी, हिरा सहनी, गुड्डू सिंह, तरुण सहनी, मनोज सहनी, अनुप साह आदि मौजूद थे।

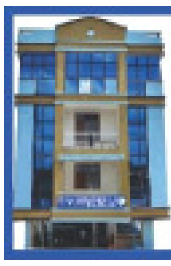
कवि जाँच घर
डॉ.संजय कुमार
Mob.:7033441319 Tollfree: 1800 3099 895
Address : Bhawanipur Zirat, Motihari, East Champaran-845401
website: www.kavidiagnostics.com | email: drsanjaykumar63@gmail.com
MBBS (DAR)
MD (Microbiology)

मुखिया पति ने किया जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण

पताही। प्रखंड क्षेत्र के नोनफरवा पंचायत स्थित मुखिया की आवाज पर रविवार को मुखिया प्रतिनिधि बालेश्वर बैठा के द्वारा गरीब व असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस सादे समारोह में मुखिया पति ने पंचायत के विभिन्न गांवों के सैंकड़ो गरीबों को कंबल मुहैया कराया। इस संबंध में मुखिया पति बालेश्वर बैठा ने कहा कि पीड़ति मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि पंचायत के वैसे असहाय व निर्धन परिवार के बीच कंबल का वितरण किया गया है। जिनके पास इस कंपकपाती ठंड में भी तन ढकने के लिए सही से कपड़े नहीं रहते हैं ।उन्होंने कहा कि हम हमेशा पूरी सादगी ढंग से कंबल वितरण का कार्यक्रम किया गया हैं लेकिन यह कंबल जरूरतमंदों तक पहुंचे इसके लिए पूर्व से ही तैयारी की गया था। और क्षेत्र में घूम घूम कर वैसे लोगों की सूची बनाया गया था जो पूरी तरह लाचार व वेवश हों।मुखिया पति श्री बैठा ने कहा कि ऐसा कर हमें काफी आत्म संतुष्टि मिलती है क्योंकि साधन संपन्न लोग तो अपने संसाधनों से गर्म कपड़े व कंबल जुटा लेते हैं लेकिन गरीब तबके के लिए एक अदद कंबल खरीदने के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।इस अवसर पर रीता कुमारी, सोनू कुमारी, रानी देवी, कलावती देवी, हरि नंद लाल, जोगिंदर साह, दुखत राम सहित अन्य लोगों थे।

प्रयास कर्तव्य पालन के तहत गुमशुदगी मामले में एक्शन मूड में रहेगी पुलिस

मोतिहारी। जिला पुलिस ने प्रयास कर्तव्य के तहत बड़ा निर्णय लिया है। जाहिर है कि अब नाबालिको की गुमशुदगी को पुलिस नजरअंदाज नही करेगी। एसपी कांतेश मिश्र ने इस अपराध को बड़ा अपराध बताते हुए मामले में फौरी कार्रवाई का आदेश जारी किया है। इसके लिए सभी थाना पुलिस को शपथ लेने का निर्देश दिया गया था, फलस्वरूप रविवार को सभी थानो में पुलिस अधिकारी सहित जवानों ने शपथ ली। अबतक नाबालिक बच्चों की गुमशुदगी के खिलाफ महज कागजी खानापूर्ति कर ली जाती थी, परन्तु अब ऐसा नहीं दिखेगा।

आईएनडीआईए गठबंधन की बैठक का सक्रिप्ट लालू प्रसाद ने तैयार किया : डॉ. संजय जायसवाल

मोतिहारी। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व बेतिया सांसद ने लालू यादव को कलाकार नेता बताते हुए आईएनडीआईए गठबंधन के वर्चुअल मीटिंग के परिणाम पर सवाल खड़ा किया है। उन्होने कहा कि उक्त बैठक सक्रिपटेड था, जिसे लालू यादव ने पूर्व से ही तैयार कर लिया था। ताकि कांग्रेस पार्टी उनका नाम संयोजक के लिए बढ़ाकर मुख्यमंत्री से ही इंकार करा दिया जाये।

बंजरिया प्रखंड के चैलाहां एकता मैरेज हॉल में रविवार को पत्रकारो को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि राजद ने ही नीतीश कुमार को दुनिया का सबसे बड़ा अविश्वसनीय नेता का खिताब दिया है।

शायद यही कारण था कि उक्त बैठक में ममता बनर्जी एवं शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शामिल होना मुनासीब नहीं समझा। उन्होने कहा कि नीतीश कुमार कब्बड़ी के एक ऐसे खिलाड़ी है, जो हमेशा मीडिल में रहकर खेलना चाहते है। हालांकि वे जिस पाले में रहते है, उसे ही आउट कर देते है।

मुख्यमंत्री को भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में निमंत्रण नहीं भेजे जाने के सवाल के जबाब में कहा कि निमंत्रण मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से भेजा जा रहा है।

भाजपा इससे अलग है। भाजपा में नीतीश कुमार के शामिल होने की अटकलो पर कहा कि भाजपा का वैसे सभी नेताओं के लिए दरवाजा खुला है, जो लालू प्रसाद यादव के विरोध में आवाज बुंलद करने में शामिल रहे है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 27 जनवरी के आगमन के संबंध में बताया कि उनका कार्यक्रम निर्धारित है,आना भी तय है,लेकिन उक्त तारीख पर फिलहाल होल्ड लगाया गया है। बावजूद इसके उनके आगमन को लेकर सेमरा बनसप्ती स्थान के समीप तैयारी जारी है। पीएमओ से आज से कलतक तारीख स्पष्ट कर दिया जायेगा। इस रैली के माध्यम से चम्पारण के लोगों को पीएम कई सौगात देंगे।

बगहा के सुख्यात पक्की बावली मंदिर परिसर में दिनेश अग्रवाल ने की साफ-सफाई

बगहा। 14 जनवरी से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आसपास के मन्दिरों व तीर्थ स्थलों पर मंदिर स्वच्छता अभियान का शुभारम्भ रविवार से किया गया। बगहा नगर के पक्की बावली बाबा विश्म्भरनाथ मंदिर परिसर बगहा- 1 में ₹ मेरा स्वाभिमान₹ संस्था के अध्यक्ष सह भाजपा कार्यकर्ता दिनेश अग्रवाल ने स्वच्छता अभियान चलाया।दिनेश अग्रवाल स्थानीय लोगों के साथ बाबा विश्म्भरनाथ मंदिर परिसर बगहा-1 और आस-पास स्थानों पर साफ सफाई की।साफ सफाई के बाद दिनेश अग्रवाल ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। दिनेश अग्रवाल ने बताया कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 30 दिसंबर को अयोध्या से प्रधानमंत्री मोदी ने आह्वान किया था कि स्वच्छ मुहल्ला, स्वच्छ ग्राम, आयोध्या धाम साथ ही प्रधानमंत्री ने स्वयं इस अभियान की शुरुआत पंचवटी से की थी,जहां भगवान राम अपने वनवास के दौरान सबसे लंबे समय तक रहे थे।

देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक मैगजीन के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

तुरकौलिया। रघुनाथपुर ओपी थाना पुलिस ने रघुनाथपुर के लैला मियां के लॉज के सामने गली में छापेमारी कर दो अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक मैगजीन भी बरामद किया है। ये लोग किसी अपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए योजना बना रहे थे। रघुनाथपुर ओपी प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिला था कि रघुनाथपुर में लैला मियां के लाज के सामने वाली गली में कुछ अपराधी अपराध करने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस बल के साथ छापेमारी की गई। जहां हरसिद्धि थाना के दुदही गांव का पृथ्वीराज प्रिंस और रघुनाथपुर के छोटू कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

इनके पास से एक देसी कट्टा, 3 जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद की गई है। पकड़े गए अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संदिग्ध स्थिति में युवक का शव बरामद, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेजा

रामगढ़वा। थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार में स्थित मुन्ना प्रसाद के दुकान सह आवासीय घर के एक कमरे में संदिग्ध स्थिति में पुलिस ने शव को बरामद किया है। शव की पहचान मकान मालिक मुन्ना प्रसाद के पुत्र मनीष कुमार (22वर्ष) के रूप में की गई है। वही पुलिस को सूचना मिलते ही दारोगा प्रियंका कुमारी व जमादार नौशाद अहमद पुलिस बल के साथ पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेज दिया। इस बाबत परिजनों ने बताया कि घर के सभी पुरुष लोग उसके दादा को इलाज कराने के लिए पटना ले गए थे ,जब शनिवार की रात वापस लौटे तो घर का गेट नही खुला तो हमलोग समझे कि वह ठंड के दिन में सो गया है। घर का मुख्य गेट परिवार के महिला सदस्य ने खोला। घर मे जाने के बाद भी गेट नही खुला तो सभी लोग समझे कि सुबह में नींद खुलेगा तो गेट खुलेगा,जब सुबह भी गेट नही खुला तो परिजनों व उसके पिता ने गेट को तोड़ा तो देखा गया कि उसका जीभ मुंह से बाहर निकला है ,तब उसके पिता ने स्थानीय चिकित्सक डॉ रियाजुल को बुलाने गए, जिसके बाद डॉक्टर पहुंचे तो देखते ही मृत घोषित कर दिया। वही इसके बाद घर मे रोना चिल्लाना शुरू हो गया। बता दे कि मृत युवक मनीष के मुंह से जीभ निकला था तथा उसके गर्दन पर काला धब्बे का निशान था। वही कुछ युवकों ने बताया कि शनिवार की शाम वह क्रिकेट खेल कर शाम में अपने घर गया और दुकान बंद कर सोने चला गया।

अयोध्या से पूजित अक्षत निमंत्रण के रूप मे सभी मकानो व दूकानो में हुआ वितरण

मोतिहारी।विहिप बजरंगदल दुर्गाविहिनि ने बंगाली कालोनी से अयोध्या से पूजित अक्षत को निमंत्रण के रूप मे सभी मकानो और दूकानो मे वितरण शुरू किया जो छतौनी मीनाबाजार ज्ञान बाबू चौक होते हुए बनिया पट्टी धर्म समाज तक वितरण हुआ। आज का अक्षत वितरण कार्यक्रम का नेतृत्व बजरंगदल के जितेन्द्र कुशवाहा हेमनत कुमार उद्धेश्य गुप्ता राहूल सिंह तथा राष्ट्र सेविका समिति के प्रियंका नागवंशी ने किया। तथा चौक चौराहे पर नुककर सभा भी किया गया वंही विहिप के जिला प्रचार प्रसार प्रमुख आनन्द प्रकाश ने जगह जगह नुककर सभा का संचालन किया।

मौके पर विहिप के बिहार झारखंड के विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अशोक श्रीवास्तव अधिवक्ता ने बताया कि अक्षत वितरण कार्यक्रम अब अंतिम चरण मे है 15 जनवरी को यह कार्यक्रम समाप्त हो जाएगा जो लोग अक्षत लेने से वंचित रह गए है, वे विहिप बजरंगदल कार्यकर्ताओ से सम्पर्क कर या आर एस एस कार्यालय से सम्पर्क कर अक्षत ले सकते है। पुरा हिन्दुस्थान राम मंदिर का दर्शन करे इसके लिए 24 जनवरी से प्रांत सह राम भक्तो को संगठन के माध्यम से बुलाया जा रहा है उतर बिहार को 1 फरवरी को अयोध्या पहुचना है जिसके लिए 31 जनवरी को कार्यकर्ता ट्रेन द्वारा अयोध्या जाएगे। इन्होने कहा कि 22 जनवरी को देश विदेश के बड़े संत और सभी क्षेत्रो मे महारथ प्राप्त लोगो को राजनितिक सामाजिक खेल कूद और धार्मिक लोगो को बुलाया गया है यह कार्यक्रम राजनितिक नही बल्कि विशुद्ध रूप से धार्मिक और सामाजिक है।

सड़क चौड़ीकरण कार्य का शिलान्यास

बीएनएम@मोतिहारी

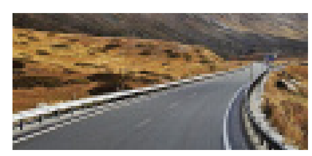

जिले के मोतिहारी छपवा व बेतिया मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का छपवा चैराहे पर रविवार को क्षेत्रीय सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने उद्घाटन किया। मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें माला पहनाकर स्वागत किया।

सांसद जायसवाल ने कहा कि छपवा चैराहा से सुगांव के समीप तक सड़क का चौड़ीकरण हो रहा है। जो काफी हर्ष की बात है। चौड़ीकरण होने से सड़क पर यात्रा और सुगम हो जायेगा।उन्होने कहा कि भारत में विकास की धारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद अविरल प्रवाहित है। जिसका प्रतिफल है कि हर तरफ चौमुखी विकास धारा बह रही है। आने वाले दिनों और कई विकास कार्य होंगे। सेवा धर्म हमारा उदेश्य है, जो हम कर रहे है। मौके पर पूर्व मंत्री रामचन्द्र सहनी, पूर्व एमएलसी बबलू गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, वरीय भाजपा नेता रामगोपाल खंडेलवाल,राकेश ठाकुक, विकास शर्मा, महेश मिश्रा, तपू झा, दुर्गा प्रसाद, संजय संसू, शंभू गुप्ता, अखिलेश गुप्ता रूबी श्रीवास्ताव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

BORDER NEWS MIRROR

Editorial

Monday 15 January 2024

साफ होते शहर-गांव

करीब नौ साल पहले का वह मंजर यकीनन यादगार था जब पीएम नरेंद्र मोदी स्वयं झाड़ू लेकर राजधानी दिल्ली की सड़कों पर सफाई करने उतरे थे। उनके पीछे- पीछे उनके मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों से लेकर सरकारी बाबुओं तक का हुजूम भी सड़कों पर उतर आया था। 2014 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के दिन प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन का आगाज़ किया था। यकीनन, महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें इससे बेहतर श्रद्धांजलि शायद दी भी नहीं जा सकती थी। आजाद भारत में संभवतः यह पहला मौका था जब देश में स्वच्छता को लेकर सरकार ने इतनी गंभीरता दिखलाई। 140 करोड़ की आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला अगुआ यदि खुद सड़क पर उतर आए, फिर समुद्र किनारे घूम घूम कर कूड़ा उठाने लग जाए, तो यह समझना कतई मुश्किल नहीं कि देश की हुकूमत का साफ सफाई को लेकर नजरिया क्या है। बीते कुछ वर्षों में, जाहिर तौर पर स्वच्छता के मोर्चे पर हमने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज शहरों के बीच स्वच्छता को लेकर देश भर में कई प्रतियोगितायें हो रही हैं । उनमें एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी हुई है। पीएम मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में स्वच्छता अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। शायद यही वजह है कि स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत के बाद भारत में स्वच्छता का पुनर्जागरण हुआ है। मिशन ने न केवल शहरों का कायाकल्प किया बल्कि गांवों में भी स्वच्छता की अलख जगाई है। अपने देश को साफ सुथरा रखने की संवेदनशीलता और भावना आज पूरे देश में ही दिखती है। गांधीजी की आजीवन स्वच्छता की अलख जगाते रहे। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान वहां उन्हें श्वेत निवासियों के इस दावे से लड़ना पड़ा कि भारतीयों में स्वच्छता की कमी है और इसलिए उन्हें अलग रखने की जरुरत है। नटाल विधान सभा को लिखे एक खुले पत्र में, गांधी ने कहा था कि जहां तक स्वच्छता के मानकों का सवाल है, भारतीय भी यूरोपीय लोगों के बराबर हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें भी उसी तरह का ध्यान और अवसर दिया जाए। 1915 में भारत लौटने पर, उन्होंने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए अपने कार्यक्रमों के मूल में स्वच्छता के मंत्र को रखा।

पूर्वोत्तर: नवाचार के माध्यम से विकास को गति

जी किशन रेड्डी

एक दशक पहले विशाल वन क्षेत्र और भूमि से घिरी भौगोलिक स्थिति के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र की चुनौतीपूर्ण स्थलाकृति को क्षेत्र के विकास और परिवहन संपर्क के लिए एक प्राकृतिक बाधा के रूप में माना जाता था। दस साल बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिरीबाम-इम्फाल में दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा रेलवे घाट पुल एक जीवंत तकनीकी चमत्कार है, जो स्थलाकृति की चुनौतियों के बावजूद निर्बाध परिवहन संपर्क की सुविधा प्रदान करता है। 2014 के बाद से क्षेत्र की वास्तविक क्षमता का लाभ उठाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 5 लाख करोड़ से अधिक खर्च किए गए हैं। प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र विकास की रणनीति के अनिवार्य हिस्से बन गए हैं, जिनसे इस पहल को और गति मिली है। सार्वजनिक सेवा सुविधा व शासन से लेकर युवा और उद्यम तक, प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग पूर्वोत्तर भारत के अमृत काल में एक नई क्रांति का वादा कर रहा है। मजबूत अवसंरचना सुनिश्चित करने के लिए सड़कों के निर्माण में नवीनतम तकनीक का प्रयोग अनिवार्य कर दिया गया है। इससे प्रतिकूल मौसम की स्थिति में भी सड़कें अधिक सुदृढ़ रहेंगी। इसके अलावा, उत्तर पूर्व अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के तत्वावधान में सभी राज्यों ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए कृषि और संबद्ध क्षेत्र; आपदा प्रबंधन; वन, पारितंत्र और पर्यावरण; जल संसाधन प्रबंधन; चिकित्सा और स्वास्थ्य; योजना और विकास तथा परिवहन संचार के क्षेत्र में कार्य योजनाएं तैयार की हैं। कृषि और बागवानी इस क्षेत्र के दो सबसे संभावना वाले क्षेत्र हैं, जिनमें आर्थिक विकास और आजीविका सृजन की अपार संभावनाएं हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग भू-क्षेत्र व बागवानी अवसंरचना को मापने, स्थल उपयुक्तता के मूल्यांकन, किसानों के लिए मोबाइल ऐप आदि के लिए किया जा रहा है। पूर्वोत्तर भारत के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (एसटीआईएनईआर), जो एनईआर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए उत्तर-पूर्वी परिषद (एनईसी) के तहत एक समर्पित योजना है, के माध्यम से 600 से अधिक उद्यमियों, हजारों किसानों और कारीगरों को विभिन्न प्रौद्योगिकियों से लाभ हुआ है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय परियोजनाओं की निगरानी के लिए भी प्रौद्योगिकी का गहनता से उपयोग कर रहा है। लगभग सभी परियोजना स्थलों को जियो-टैग किया गया है और एक परियोजना निगरानी पोर्टल लॉन्च किया गया है। डिजिटल नवाचार परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन और कुशल निगरानी में मदद कर रहा है। पहली बार पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने राज्य सरकारों के साथ सहज सहयोग के लिए सभी राज्यों में अपनी क्षेत्रीय इकाइयां स्थापित की हैं। क्षेत्रीय इकाइयों के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से इकाइयां परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन और राज्य सरकार तथा केंद्रीय एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेंगी। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में, टेलीमेडिसिन और मोबाइल डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से डिजिटल उपायों का समन्वय चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखता है। धरातल पर किए जाने वाले एक महत्वपूर्ण विकास में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) और टाटा ट्रस्ट के सहयोगात्मक प्रयास शामिल हैं। इन सहयोगात्मक प्रयासों का लक्ष्य सभी पूर्वोत्तर राज्यों में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल स्थापित करना है।

(लेखक, भारत सरकार में केन्द्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री हैं।)

Today's **Opinion**

कभी तो तोल-मोल के बोल लिया करो फारुक अब्दुल्ला जी

आर.के. सिन्हा

डॉ.फारुक अब्दुल्ला को आग में घी डालने में बहुत मजा आता है। वे भड़काऊ बयान देकर खबरों में बने रहना चाहते हैं। हालांकि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता से देश उम्मीद करता है कि वे तोल-मोल के बयानबाजी करें। पर वे मानने के लिए तैयार नहीं हैं। अब उनके हालिया बयान को सुन लें। फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि भारत को पाकिस्तान से बात करनी चाहिए। गाजा में इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने यहां तक कह दिया कि हमारा भी गाजा और फिलिस्तीन जैसा हाल हो सकता है। अब फारुक साहब से कोई पूछे कि क्या आपने कभी पाकिस्तान से पूछा कि उसने मुंबई में हमला क्यों करवाया था या फिर उसने करगिल में घुसपैठ किसलिए की थी? वे तो हर स्थिति में भारत की नुक्ताचीनी करने में ही लगे रहते हैं। उन्हें कौन बताए कि विदेश नीति सारे देश की होती है न कि किसी प्रदेश या पार्टी की। अगर भारत पाकिस्तान से कहता है कि वे आतंकवादियों को खाद-पानी देना बंद करे तो इसमें क्या गलत कहता है। उन्होंने एक बार दावा किया था कि चीन की मदद से जम्मू-कश्मीर में फिर आर्टिकल 370 लागू कराया जाएगा। यह जानते हुए भी चीन भारत का जानी दुश्मन है, फिर भी वे चीन के पक्ष में बात करते हैं। क्या फारुक अब्दुल्ला को पता नहीं है कि चीन ने हमारे अक्साईचिन पर अपना कब्जा जमाया हुआ है? क्या उन्हें पता नहीं है कि चीन की तरफ से कब्जाये हुए इलाके का क्षेत्रफल कितना है ? ये 37,244 वर्ग किलोमीटर है। जितना क्षेत्रफल कश्मीर घाटी का है, उतना ही बड़ा है अक्साईचिन। सवाल उठता है कि क्या फारुक अब्दुल्ला ने कभी चीन की इस बात के लिए निंदा की कि उसने भारत के इतने बड़े क्षेत्र पर कब्जा जमाया हुआ है? क्या उन्हें संसद में ध्वनिमत से पारित उस प्रस्ताव के बारे जानकारी नहीं है, जिसमें देश का संकल्प है कि चीन द्वारा हड़पी भारत की भूमि को वापस लिया जाएगा ? इस सबके बावजूद भी वे चीन की मदद से जम्मू-कश्मीर में धारा 370 के पुन: बहाली का ख्वाब देख रहे हैं। फारुक अब्दुल्ला जिस चीन से तमाम उम्मीदें पाले बैठे हैं, उसी चीन ने अपने देश में हज़ारों मस्जिदों को खुलेआम तोड़ा। वह अपने देश के मुलसमानों पर जो ज़ुल्म कर रहा है, उसके बारे में किसी को बताने की जरुरत नहीं है। फारूक अब्दुल्ला या तो कुछ जानना नहीं चाहते या जानकर भी चुप हैं। फारुक अब्दुल्ला फिलहाल श्रीनगर लोकसभा सीट से सांसद हैं। वह केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे हैं। आपको याद होगा कि उन्होंने चेनाब घाटी में एक कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर भारत के दावे को लेकर कहा था कि “क्या यह तुम्हारे बाप का है”? “पीओके भारत की बपौती नहीं है जिसे वह हासिल कर ले”। फारुक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के साथ सुर में सुर मिलाते हुए कहा था “नरेंद्र मोदी सरकार पाकिस्तान के कब्जे से पीओके को लेकर तो दिखाए।” मतलब यह कि फारुक अब्दुल्ला के मुताबिक पीओके हासिल करना भारत के लिए नामुमकिन ही है। यह तो भारत में रहकर भारत को सीधे धमकी देना नहीं तो क्या है ? फारुक अब्दुल्ला को कभी संसद लाइब्रेरी में जाकर भारतीय संसद के 22 फरवरी,1994 को पारित प्रस्ताव को पढ़ लेना चाहिए। उस प्रस्ताव में भारत ने पीओके पर एक फैसला लिया था। उस दिन संसद ने एक प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित करके पीओके पर अपना पूरा हक जताते हुए कहा था कि पीओके सहित सम्पूर्ण जम्मू-कश्मीर भारत का अटूट अंग है। “पाकिस्तान को उस भाग को छोड़ना ही होगा जिस पर उसने कब्जा जमाया हुआ है।” फारुक अब्दुल्ला के विवादास्पद बयानों की सूची बहुत लंबी है। वे कश्मीर में भारतीय सैनिकों पर पत्थर फेंकने वालों का भी समर्थन कर चुके हैं। अब जरा सोच लें कि वे कितने गैर-जिम्मेदार हैं ? फारुक अब्दुल्ला ने कहा था अगर कुछ नौजवान सीआरपीएफ के जवानों पर पत्थर मार रहे हैं, तो कुछ सरकार द्वारा प्रायोजित भी हैं।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

साहित्यिक हलचल

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

डॉ सत्यवान सौरभ

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है।

भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है।

किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है।

सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए।

समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं। इससे कुछ लोग दूसरों को हीन और सम्मान के योग्य समझने लगते हैं। साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं।

साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं। साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

पीड़ित व्यक्ति/लोग शायद ही कभी प्रतिशोध के डर से या गंभीरता से नहीं लिए जाने के डर से अधिकारियों को घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। यहां तक कि जब मामलों की सूचना दी जाती है, तब भी अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई की कमी के कारण उद्देश्य विफल हो जाता है। भारत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 और 505 मुख्य प्रावधान हैं, जो भड़काऊ भाषणों और अभिव्यक्तियों से निपटते हैं जो 'घृणास्पद भाषण' को दंडित करने की कोशिश करते हैं।

हेट स्पीच से निपटने के लिए एक अलग कानून की अनुपस्थिति के कारण मौजूद खामियों का दुरुपयोग हुआ है। 2017 में, समिति ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें ऑनलाइन हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त कानूनों की सिफारिश की गई थी प्रत्येक राज्य में एक राज्य साइबर अपराध समन्वय होना चाहिए, जो एक अधिकारी होना चाहिए जो पुलिस महानिरीक्षक के पद से कम का न हो। प्रत्येक जिले में एक जिला साइबर क्राइम सेल होना चाहिए।

इसने 5,000 के जुर्माने के साथ दो साल तक की सजा का प्रस्ताव किया। विधि आयोग की सिफारिशों को लागू करना: विधि आयोग ने अपनी 267 वीं रिपोर्ट में आईपीसी की धारा 153(B) के तहत 'नफरत को उकसाने पर रोक लगाने और कुछ मामलों में डर, अलार्म या हिंसा भड़काने' पर आईपीसी की धारा 505 के तहत नए प्रावधान जोड़कर भारतीय दंड संहिता में संशोधन का सुझाव दिया।

यह बातचीत, मध्यस्थता और मध्यस्थता के माध्यम से हेट स्पीच की समस्या का समाधान करने का एक बेहतर तरीका है। भारत में शिक्षा प्रणाली दूसरों के प्रति सहिष्णुता, करुणा और सम्मान को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। लोगों को विविधता, एक बहुलवादी समाज के महत्व और भारत की एकता में इसके योगदान के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया के उद्भव ने हेट स्पीच के निर्माण, पैकेजिंग और प्रसार के लिए कई मंच तैयार किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टीवी बहसों पर हेट स्पीच के संबंध में भी चिंता जताई है। इसलिए इन माध्यमों को विनियमित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए. हेट स्पीच लोकतंत्र के दो प्रमुख सिद्धांतों- सभी के लिए समान सम्मान की गारंटी और समग्रता की सार्वजनिक भलाई, को खतरे में डालती है। मीडिया द्वारा एक आचार संहिता को अपनाने, निजी और सार्वजनिक संस्थानों द्वारा स्व-नियमन और बहुलवाद का सम्मान करने के महत्व और हेट स्पीच से उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

2020 में हेट स्पीच के मामलों में कन्विक्शन रेट 20.4% था। जिससे यह पता चलता है कि मामले तो दर्ज होते हैं लेकिन सजा नहीं दी जाती, जिससे लोगों के अंदर डर की भावना पनप नहीं पाती और ऐसे ही सामाजिक सद्भाव और समाज के ताने बाने से खिलवाड़ की जाती रहती है।

कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

नमिता गुप्ता मनसी

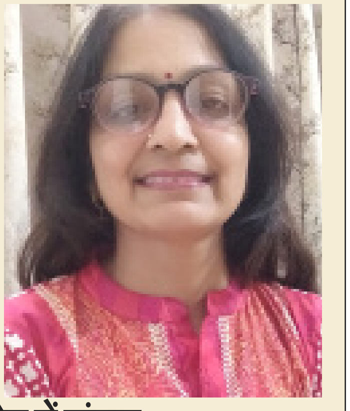

प्रेम में संवाद..

सुनों बुद्धू राम !!!!
इतने भी चुप मत रहा करो
कि सबको सुनाई देने लगे !!

क्या बोलूं..
कुछ है ही नहीं..
वहीं रोज़ का काम !
तुम ही कुछ बोलो न,
हमेशा की तरह..

हम्ममम,,,
ठीक है..मैं ही शुरू करती हूं,
अच्छा बताओ..
तुमने कभी पीला पत्ता देखा है ?
लो ..देखो ,
पता है न
ये अब कभी हरा नहीं होगा ,
ध्यान से पढ़ो इसकी एक-एक लकीर को
मानों इतिहास हो
सभी जाते हुए मौसमों का ,

देखो न..
ठीक जहां से छूटा है ये
वहीं से फूटने लगा है
थोऽऽऽड़ा सा हरापन ,
हमारा प्रेम भी कुछ ऐसा ही है न
बिल्कुल इस पीले पत्ते की तरह ,
है न !!

वह बोला
कुछ देर रुककर..

हम्म.
तो अब क्या जरूरत है शाब्दिक औपचारिकता की ,
ये पीला पत्ता ही हमारे प्रेम का संवाद है ,,
हैं न !!
समझी नालायक लड़की !!!!!

मेरठ, उत्तर प्रदेश

गरिमा लखनवी

राम चरित

रामजी ने जन्म लिया,
माता-पिता का मान बढ़ाया धर्म,
मातृभूमि की रक्षा करना,
सबको यह पाठ पढ़ाया,
अपने चरित्र का मान करके,
दुनिया को सही रास्ता दिखाया,

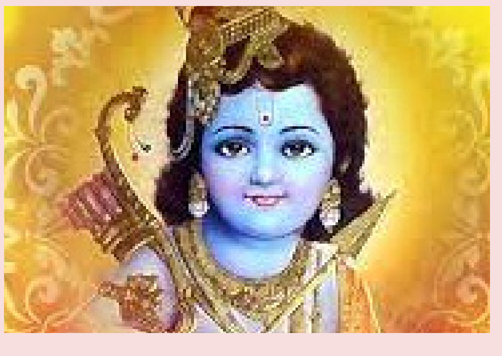

राम जी जैसा पुरुष इस दुनिया में कोई नहीं,

पिता को दिए वचन को उन्होंने पूरा कर दिया,
मर्यादा का हम सबको पाठ पढ़ाया,
पत्नी धर्म का मान बढ़ाया,
राम जी जैसा कोई नहीं,
जो भी उन्हें सेवक मिला,
उसको उन्होंने गले लगाया,
राम नाम का जो जाप करता,
वो दुनिया से तर जाता है ,
एक पुत्र पिता राजा का मान बढ़ाया,
उनके चरणों में कोटि कोटि प्रणाम हमारा।।

लघुकथाः मुलाकात

वीरेंद्र बहादुर सिंह

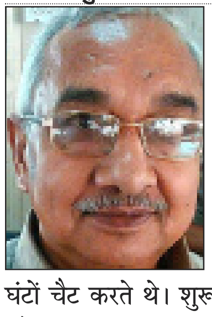

कालेज में पढ़ने वाली ऋजुता अभी तीन महीने पहले ही फेसबुक से मयंक के परिचय में आई थी। दोनों घंटों चैट करते थे। शुरू-शुरू में दोनों में औपचारिक बातें ही होती थीं।

धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रणय की बातें होने लगी थीं। दोनों एकदूसरे का फोटो भी लेनेदेने लगे थे। मयंक ने एक दिन ऋजुता के सामने विवाह का प्रस्ताव रख दिया। ऋजुता उसकी बातों से काफी प्रभावित थी।

वह उसे अच्छा भी लगने लगा था। इसलिए उसने मयंक से एक बार मिलने की बात कही। मयंक ने भी उसकी बात मान ली।

मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।

मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।

मयंक पहले से ही हाथ में बुके लिए खड़ा था। ऋजुता आश्चर्य से उसे देखती रह गई।

वह कुछ सोच पाती, उसके पहले ही 45 साल का वह अधेड़ आदमी हाथ में बुके ले कर भागते हुए उसके पास आ कर बोला, हाय ऋजुता, कैसी हो? मैं मयंक, यह बुके तुम्हारे लिए।

ऋजुता के तो पैरों के तले से जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा सा छा गया।

जेड-436ए, सेक्टर-12,
नोएडा-201301 (उ0प्र0)
मो-8368681336

सविता राज, मुजफ्फरपुर, बिहार

चित्र बुजुर्ग कामवाली की

जर्जर हालात,
दीन हीन कृशकाय,
गिरता स्वास्थ्य ,
मैली कुचैली साड़ी,
दो वक्त के निवाले को मोहताज,
आखों में गमों का समुद्र,
नाउम्मीदी से घिरा जीवन,
बेटे बहु की मोहताज,
चार पांच घरों में काम करके,
घर को अपने सींचती थी,

औरों के घरों की,
साफ सफाई करके,
चंद पैसे जोड़ती थी
आज बुढ़ापे ने
छीन लिया सर्वस्व
सबने काम छुड़ा दिया,
वर्षों तक जहां काम किया,
वहां से मिलता न वृद्धाभत्ता,
न कोई पगार,
दाने दाने को हो गई मोहताज,
ये चित्र है समाज में,
बुजुर्ग हो चली कामवालियों की।
सरकार करे या समाज करे,
कोई तो इन बेबस अबलाओं की,
समस्याओं का निदान करे।

सेहत और त्वचा समस्याओं के लिए रामबाण इलाज है केसर का पानी

कई चमत्कारी गुणों से भरपूर केसर लंबे समय से अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया जा रहा है। केसर का उल्लेख आयुर्वेद में भी पाया जाता है। पकवानों और व्यंजनों का स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाला केसर हमारे स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

इसमें मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-अल्जाइमर, एंटी कॉनवल्सेन्ट और एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुण कई तरह की समस्याओं में मददगार होते हैं। केसर का इस्तेमाल अस्थमा, खांसी, गले में खराश, काली खांसी जैसी कई समस्याओं के लिए किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केसर का पानी भी कई परेशानियों में आपके लिए सहायक साबित होता है। अगर नहीं, तो आज हम आपको बताएंगे केसर के पानी से होने वाले फायदों के बारे में-

त्वचा के लिए फायदेमंद

केसर आपकी त्वचा के लिए बेहद गुणकारी होता है। एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर केसर स्किन में मौजूद टॉक्सिन को बाहर निकालने में मददगार है। केसर का पानी पीने से स्किन हाइड्रेट रहती है और इसे पोषण भी मिलता है। इसके अलावा इसके सेवन से कील,मुंहासे,फुंसी समेत कई अन्य समस्याएं दूर रहती हैं।

पीरियड्स के दर्द में कारगर

केसर का पानी माहवारी के दौरान होने वाली समस्याओं में भी काफी आराम दिलाता है। अगर आपको पीरियड्स की वजह काफी दर्द होता है, तो इसके लिए आप केसर का पानी पी सकते हैं। साथ ही अगर आपको हैवी पीरियड्स नहीं आ पा रहे हैं, तो इसके लिए भी केसर का पानी उपयोगी साबित होगा।

हेयरफॉल रोकने में असरदार

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जिससे कई लोग अक्सर परेशान रहते हैं। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो इसके लिए केसर का पानी पी सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट न सिर्फ हेयरफॉल को रोकते हैं, बल्कि बालों के रोम को मजबूत बनाकर इन्हें बढ़ने में मदद करता है।

शुगर क्रेविंग करें कंट्रोल

अक्सर खाना खाने के बाद कई लोगों को मीठा खाने की क्रेविंग होती है। लेकिन जरूरत से ज्यादा मीठा खाना हमारी सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है। ऐसे में अगर आप अपनी शुगर क्रेविंग को कंट्रोल करना चाहते हैं, तो इसके लिए सुबह केसर का पानी पीना काफी फायदेमंद होगा।

चाय-कॉफी का बेहतर विकल्प

ज्यादातर लोगों की आदत होती है कि वह अपने दिन की शुरुआत एक कप चाय या कॉफी से करते हैं। लेकिन खाली पेट सुबह चाय या कॉफी का सेवन आपकी सेहत के लिए नुकसानदेय हो सकता है। ऐसे में अगर आप सुबह के लिए चाय या कॉफी का कोई विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो इसके केसर का पानी बढ़िया विकल्प है। इसे पीने से आप पूरे दिन रीफ्रेश फील कर पाएंगे।

बालों को मजबूत, घना और शाइनी बनाने के लिए पिएं ये ड्रिंक्स

खानपान में गड़बड़ी, बढ़ते प्रदूषण, खराब जीवनशैली के कारण बालों से जुड़ी समस्याएं अब लोगों में आम हो चुकी हैं। कम उम्र में बाल सफेद होना हो या असमय बाल झड़ने की समस्या हर तीसरा व्यक्ति इन परेशानियों का शिकार है।

खराब पोषण के कारण भी बालों से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। हेयर फॉल, बाल सफेद होने की समस्या या बालों से जुड़ी दूसरी तमाम समस्याओं के लिए मार्केट में कई तरह के प्रोडक्ट्स मौजूद हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट्स में केमिकल या प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके बालों को कई नुकसान पहुंचा सकते हैं। बालों से जुड़ी समस्याओं के खतरे को कम करने के लिए कुछ ड्रिंक्स का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। आइए आज इस लेख में जानते हैं बालों के लिए फायदेमंद ऐसे ही ड्रिंक्स के बारे में।

बालों के लिए फायदेमंद ड्रिंक्स

बालों से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से कुछ ड्रिंक्स का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। लोग अक्सर सुबह उठते ही चाय या कॉफी और कई तरह के कैफीन युक्त ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। इन ड्रिंक्स के सेवन से आपके बालों को कई नुकसान हो सकता है।

1. एलोवेरा जूस का सेवन

एलोवेरा जूस का सेवन करने से आपके बालों को बहुत फायदे मिलते हैं। एलोवेरा जूस में विटामिन सी, विटामिन ई, बीटा कैरोटीन जैसे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। इसका नियमित रूप से सेवन करने से आपके बाल स्ट्रांग होते हैं और उनकी चमक बढ़ती है। इस जूस का सेवन करने से आप दिन भर एनर्जेटिक भी रहेंगे।

2. कीवी का जूस

कीवी का जूस पीने से आपको कई अनोखे फायदे मिलते हैं। कीवी में मौजूद विटामिन ई और अन्य पोषक तत्व बालों को मजबूत और घना बनाने में बहुत फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

3. आंवले का जूस

आंवला सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। आंवले में मौजूद गुण और पोषक तत्व आपको कई गंभीर बीमारियों और परेशानियों से बचाने का काम करते हैं। आंवले का जूस पीने से आपको हेयर फॉल की समस्या में भी फायदा मिलता है।

बालों से जुड़ी समस्याओं में आंवले का जूस पीने से बहुत फायदा मिलता है।

4. पालक का जूस

पालक का जूस भी आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पालक में आयरन, बायोटिन आदि की पर्याप्त मात्रा होती है। बालों को मजबूत, घना और शिल्की बनाने के लिए इनका सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है।

बालों को हेल्दी, मजबूत और शाइनी बनाने के लिए ऊपर बताये गए ड्रिंक्स का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इनका सेवन करने से आपके बालों को पर्याप्त पोषण मिलता है और बाल हेल्दी होते हैं।

शरीर में आयरन की कमी के संकेत हो सकते हैं ये लक्षण

सेहतमंद रहने के लिए बेहद जरूरी है कि शरीर में सभी आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति की जाए। स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार खाना काफी जरूरी होता है। हमारे शरीर के संपूर्ण विकास के लिए कई सारे पोषक तत्व जरूरी होते हैं। ऐसे में पौष्टिक आहार की मदद से शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। यह बेहद जरूरी है कि इसकी कमी होने पर तुरंत ही शरीर में इसकी पूर्ति की जाए।

पीली त्वचा

खून में मौजूद हीमोग्लोबिन की वजह से आमतौर पर हमारी त्वचा हल्की लाल रंग की नजर आती है। लेकिन अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपकी स्किन के रंग में बदलाव आने लगता है। आयरन की कमी की वजह से अक्सर त्वचा पीली नजर आने लगती है। इसके अलावा स्किन पर काले या नीले रंग के दाग भी बन सकते हैं।

हाथों-पैरों का ठंडा होना

शरीर में आयरन की कमी होने पर हाथ-पैर ठंडे रहने लगते हैं। अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इसकी वजह से आपको भी हाथ-पैर ठंडे महसूस हो सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने अंदर लगातार इस तरह के संकेत देख रहे हैं, तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

नाखूनों का कमजोर होना

आयरन की कमी होने पर इसका असर हमारे नाखूनों पर भी नजर आता है। आमतौर पर कमजोर नाखून कैल्शियम की समस्या की वजह से हो सकते हैं, लेकिन कई बार यह आयरन की कमी का संकेत भी होते हैं। ऐसे में अगर आपके नाखून भी कमजोर पर ज्यादा टूट रहे हैं, तो आपको इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बालों की समस्या

नाखूनों के साथ ही आयरन की कमी की वजह से बालों पर भी असर पड़ता है। हीमोग्लोबिन के निर्माण में आयरन एक अहम भूमिका निभाता है।

ऐसे में अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो इससे आपके नाखून और बाल भी प्रभावित होने लगते हैं। दरअसल, आयरन की कमी की वजह से बालों को जरूरी पोषण नहीं मिल पाता है, जिससे वह झड़ने और कमजोर होने लगते हैं।

आयरन की कमी के अन्य लक्षण

शरीर में आयरन की कमी अक्सर एनीमिया की समस्या को जन्म देती है। यह एक गंभीर समस्या होती है। अगर शुरुआती स्तर में इसकी पहचान कर ली जाए, तो वक्त रहते इसे सही इलाज की मदद से ठीक किया जा सकता है। आयरन की कमी के कुछ अन्य सामान्य लक्षण निम्न हैं-

थकान, बेहोशी, सिर दर्द, कमजोरी, छाती में दर्द, गले में खराश, जीभ में सूजन, सांस लेने में तकलीफ, मुंह के किनारों का फटना, दिल के धड़कन का बढ़ना।

किन चीजों से करें आयरन की पूर्ति

शरीर में आयरन की कमी एक गंभीर हालात उत्पन्न कर सकती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि समय से इसके लक्षणों की पहचान कर शरीर में इसकी पूर्ति की जाए। अगर आप आपके शरीर में भी आयरन की कमी है, तो आप इसके कमी पूरी करने के लिए अपनी डाइट में रेड मीट और पोल्ट्री, सी फूड, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां सूखे मेवे, किशमिश और खुबानी आदि को शामिल कर सकते हैं।

BNM Fantasy

ओरी ने ठुकराई पलक तिवारी की माफी

ओरी उर्फ ओरहान अवात्रामणि इंटरनेट सेंसेशन हैं. वह सोशल मीडिया की दुनिया में एक ऐसा नाम बन चुके हैं जो आए दिन खबरों में छाए रहते हैं. फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक न होने के बावजूद ओरी हर बॉलीवुड स्टार के फेवरेट हैं. इन दिनों ओरी एक बार फिर सुर्खियों में छाए हुए हैं, लेकिन इस बार वह अपनी किसी फोटो को लेकर नहीं बल्कि अपने एक चैट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस चैट में ओरी श्वेता तिवारी की बेटी और एक्ट्रेस पलक तिवारी को अपमानजनक बातें कहते दिख रहे हैं.

म

मोनालिसा के पति विक्रांत सिंह राजपूत कटघरे में लेकर आईं आम्रपाली दुबे

भोजपुरी की मशहूर अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने फिटनेस आइकन विक्रांत सिंह राजपूत को कटघरे में खड़ा कर दिया, जिसके बाद बवाल मच गया. विक्रांत की छवि इंडस्ट्री में काफी साफ रही है, लेकिन आम्रपाली दुबे (Amrapali Dubey) से आखिर ऐसा क्या हो गया कि आम्रपाली उन्हें कोर्ट तक खींच लाई और जज के सामने उन्हें कटघरे में अपनी सफाई पेश करनी पड़ी. अब इसकी तस्वीर भी वायरल हो रही है, जिससे लोगों में काफी उत्सुकता है कि आखिर हुआ क्या? बात ये है कि मामला पूरी तरह से फिल्मी और रील लाइफ से जुड़ा है. आम्रपाली दुबे और विक्रांत सिंह राजपूत रेणुविजय फिल्म्स इंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' में साथ नजर आने वाले हैं. इस फिल्म के निर्माता निशांत उज्जवल, सह निर्माता सुशांत उज्जवल व डॉ संदीप उज्जवल और लेखक सह निर्देशक सोमभूषण श्रीवास्तव हैं. और विक्रांत सिंह राजपूत का कटघरे में खड़ा फोटो फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' का ही है, जो इन दिनों वायरल भी हो रहा है. इस फिल्म में आम्रपाली दुबे और विक्रांत सिंह राजपूत पति पत्नी की भूमिका में नजर आने वाले हैं. इसमें जहां आम्रपाली का लुक एक हाउस वाइफ की तरह दिख रहा है, वहीं विक्रांत सिंह राजपूत एक साधारण से सरकारी बाबू की तरह नजर आ रहे हैं. फिल्म की कहानी क्या है, यह अभी आउट नहीं हुआ है। लेकिन ये बताया जा रहा है कि फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी' एक अलग टायप की स्टोरी वाली फिल्म है,

माधुरी नए साल पर पहुंचीं सिद्धिविनायक मंदिर

पति और बच्चों संग टेका माथा

बॉलीवुड सितारों ने धूम-धाम से नए साल का स्वागत किया. जहां ज्यादातर बॉलीवुड सितारों ने पार्टी कर शानदार तरीके से 2024 की शुरुआत की. वहीं बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित ने गणपति बप्पा के दर्शन कर नए साल की शुरुआत की है. माधुरी दीक्षित पति श्रीराम नेने और बेटे के साथ बप्पा के दर्शन करने सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची थीं. एक्ट्रेस ने परिवार संग माथा टेक नया साल मंगलमय होने की कामना की और साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी अपकमिंग फिल्म की सफलता के लिए भी गणपति बप्पा से आशीर्वाद लिया. माधुरी दीक्षित जल्द ही एक मराठी फिल्म में नजर आने वाली हैं. एक्ट्रेस की मराठी फिल्म 'पंचक' जल्द ही रिलीज होने वाली है. ये फिल्म 5 जनवरी को रिलीज होने के लिए तैयार है. सिद्धिविनायक में दर्शन के दौरान माधुरी दीक्षित सूट पहने दिखीं. वहीं उनके पति श्रीराम नेने बेटे संग लाल रंग के कुर्ते में ट्विनिंग करते दिखे. एक्ट्रेस ने दर्शन के बाद वहां मौजूद फैंस के साथ फोटो भी खिंचवाई. माधुरी दीक्षित की सादगी फैंस को खासा आकर्षित करते दिखी. उनका सादगी भरा अंदाज सोशल मीडिया पर खूब वाहवाही बटोर रहा है. बप्पा के दर्शन के बाद एक्ट्रेस ने बप्पा की फोटो और माला के साथ भी पोज दिए. अगर वर्क फ्रंट पर बात करें तो माधुरी दीक्षित ने बॉलीवुड और मराठी फिल्मों के अलावा ओटीटी पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है. वह साल 2022 में वेब सीरीज 'फेम गेम' में नजर आई थीं. इस सीरीज में एक्ट्रेस के अपोजिट संजय कपूर दिखे थे और दोनों की जोड़ी पर्दे पर एक बार फिर पुराना जादू दोहराने में सफल रही थी. उसके बाद माधुरी दीक्षित फिल्म 'मजा मा' में भी दिख चुकी हैं. 'मजा मा' में एक्ट्रेस गजराज राव, बरखा सिंह और सिमोन सिंह संग नजर आई थीं.